केविसं , आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मैसूर

प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र 2022-23

कक्षा –12वीं हिन्दी (के आधार) अंक योजना / उत्तर संकेत

समय -3 घंटे **पूर्णांक –80**

सामान्य निर्देश :

- अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है |
- खंड अ में दिए गए वस्तुपरख प्रश्नों के उत्तरों का मूल्यांकन निर्दिष्ट अंक योजना के आधार पर ही किया जाए
- खंड ब में वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिन्दु अंतिम नहीं हैं | ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं |
- यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दे तो उसे अंक दिए जाएं
- मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक-योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए।

प्र.सं	उत्तर संकेत/ मूल्य बिंदु	अंक
	खंड 'अ' (वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तर)	
1	अपठित गद्यांश 1. ग) 2. क) 3. ख) 4. घ) 5. क) 6. ख) 7. घ) 8. क) 9. ख) 10. घ)	**1x10=10**
2	क) iv ख) i ग) iv घ) ii ङ) i **अथवा** क) ii ख) i ग) iii घ) i	**1x5=5**

	च) i	
3	अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक से क iii ख i ग ii घ iii ङ ii	**1x5=5**
4	पठित काव्यांश 1 -ii 2-i 3-iv 4-iii 5-ii	**1x5=5**
5	पठित गद्यांश क ii ख i ग ii घ iv ङ ii	**1x5=5**
6	वितान पुस्तक के पठित पाठों से क i ख i ग iii घ ii ङ iv च iii छ iii ज i झ iv ट iii	**1x10=10**
	खंड 'ब' (वर्णनात्मक प्रश्न)	
7	**किसी एक विषय पर लेख अपेक्षित** आरंभ 1 विषय-वस्तु 3 प्रस्तुति 1	6

	भाषा 1	
8	**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित** i) कथानक के अनुसार कहानी चरम उत्कर्ष अर्थात् क्लाइमेक्स की ओर बढ़ती है। चरम उत्कर्ष का चित्रण बहुत ध्यानपूर्वक करना चाहिए । भावों या पात्रों की अतिरिक्त अभिव्यक्ति चरम उत्कर्ष के प्रभाव को कम कर सकती है। कहानीकार की प्रतिबद्धता या उद्देश्य की पूर्ति के प्रति अतिरिक्त आग्रह कहानी को भाषण में बदल सकते हैं। सर्वोत्तम यह होता है कि चरम उत्कर्ष पाठक को स्वयं सोचने और लेखकीय पक्षधर की ओर आने के लिए प्रेरित करें लेकिन पाठक को यह भी लगे कि उसे स्वतंत्रता दी गई और उसने जो निर्णय निकाले हैं, वे उसके अपने हैं।	3 x 2=6
	ii) नाटक साहित्य की अत्यंत प्राचीन विधा है।वस्तुतः नाटक साहित्य की वह विधा है जिसकी सफलता का परीक्षण रंगमंच पर होता है। नाटक के प्रमुख तत्व हैं - (i) कथावस्तु; (ii) पात्र एवं चरित्र-चित्रण; (iii) संवाद; (iv) देशकाल और वातावरण; (v) भाषा-शैली; (vi) उद्देश्य।	
	iii) रेड़ियो नाटक की कहानी सिर्फ घटना प्रधान न हो । संवाद या आवाजों के ज़रिए रेडियो नाटक का कथानक व्यक्त होना चाहिए । कहानी की अवधि काफी लंबी न हो।कहानी में पात्रों की संख्या सीमित हो –क्योंकि रेडियो नाटक की अवधि ही सीमित है तो फिर अपने-आप ही पात्रों की संख्या भी सीमित हो जाएगी। क्योंकि श्रोता सिर्फ आवाज के सहारे चरित्रों को याद रख पाता है, ऐसी स्थिति में रेडियो नाटक में यदि बहुत ज्यादा किरदार हैं तो उनके साथ एक रिश्ता बनाए रखने में श्रोता को दिक्कत होगी।	
9	**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित** i) समाचार लेखन में वस्तुनिष्ठता और तथ्यों की शुद्धता पर जोर दिया जाता है यानी समाचार लिखते हुए रिपोर्टर उसमें अपने विचार नहीं डाल सकता जबकि फीचर में लेखक के पास अपनी राय या दृष्टिकोण और भावनाएँ जाहिर करने का अवसर होता है। शब्दों की कोई अधिकतम सीमा नहीं होती। फीचर आमतौर पर समाचार रिपोर्ट से बड़े होते हैं। • एक अच्छे और रोचक फीचर में फोटो, रेखांकन, ग्राफिक्स आदि का	4 x 2=8

	होना ज़रूरी है। * फीचर का विषय कुछ भी हो सकता है। हल्के-फुलके विषयों से लेकर गंभीर विषयों और मुद्दों पर भी फ़ीचर लिखा जा सकता है।	
	ii) विशेष लेखन किसी विशेष विषय पर या जटिल एवं तकनीकी क्षेत्र से जुड़े विषयों पर किया जाता है, जिसकी अपनी विशेष शब्दावली होती है। इसके शब्दावली से संवाददाता को अवश्य परिचित होना चाहिए। उसे इस तरह लेखन करना चाहिए कि रिपोर्ट को समझने में परेशानी न हो ।	
	iii) पत्रकार देश-विदेश में घटित हो रही घटनाओं से सम्बन्धित सूचनाओं को एकत्र करता है। वह उपलब्ध सूचनाओं पर संदेह करता तथा उनकी विश्वसनीयता की जाँच करता है। इस प्रकार वह प्रामाणिक तथ्यों को खोजकर आम लोगों तक पहुँचाता है। अतः संदेह करना पत्रकार का गुण माना जाता है।	
10	**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित** i) बच्चे धार्मिक, समाजिक,आर्थिक भेद्भाव से परे के हैं । सब घर उनके अपने घर हैं । कवि कुंवर नारायण सिंह कहते हैं कि जिस तरह बच्चे खेल में अपनी सीमा, अपने अंतर को भूल जाते हैं। ठीक उसी तरह अगर हम कविता को एक खेल के रूप में देखते हैं, तो कविता भी शब्दों का खेल है।	3 x 2=6
	ii) तुलसी को जनता की पीड़ा का ज्ञान था|वे गरीबी,बेकारी,भुखमरी तथा पेट की आग से परिचित थे|काम न मिलने की विवशता में लोग ऊँच-नीच कर्म कर रहे थे|	
	iii) 'उषा' कविता में कवि ने गाँव की सुबह का गतिशील और जीवन्त चित्रण किया है। बहुत सुबह पूर्व दिशा में सूर्य दिखाई देने से पहले आकाश नीले शंख के समान प्रतीत हो रहा था। उसका रंग ऐसा लग रहा था जैसे किसी गाँव की महिला ने चूल्हा जलाने से पहले राख से चौका लीप दिया हो। उसका रंग गहरा था। कुछ देर बाद जब सूर्य क्षितिज से ऊपर उठा तो सूर्य की हल्की लालिमा सब ओर फैल गयी। ऐसा लगा कि मानो काले रंग की सिल पर जरा-सा लाल केसर डाला गया हो और फिर उसे धो दिया हो या किसी स्लेट पर खड़िया चाक मल दी हो। आकाश के नीलेपन में सूर्य ऐसे प्रकट हुआ जैसे नीले जल में किसी युवती का गोरा	

	सुन्दर शरीर झिलमिलाता हुआ प्रकट हो रहा हो, लेकिन सूर्य के दिखाई देते ही यह सारा प्राकृतिक सौन्दर्य मिट गया।	
11	**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित** i) हनुमान साहसी हैं|वे स्वयं वीरता के पर्याय हैं|उन्हें कार्य पूर्ण कर आया जानकर वातावरण में करुण रस के बदले वीर रस का आविर्भाव हो गया|	2x2 =4
	ii) बच्चे सवेरे से मां-बाप से बिछड़ कर घोसले में अकेले हैं और भूखे हैं। वे इस आशा में झांक रहे होंगे कि जब उनके मां-बाप वापस लौट कर नींड में आएंगे तो उन्हें खाने को कुछ मिलेगा और उनकी ममता प्यार और दुलार मिलेगा|	
	iii) 'भाषा के चक्कर में जरा टेढ़ी फँस गई' इस काव्य पंक्ति का अर्थ यह है कवि ने कथ्य को इतना चमत्कार से युक्त बना दिया कि कथ्य दबाकर बैठ गई। उससे सहज अर्थ निकलना कठिन हो गया। सरल, सीधी बात को भी सरल सीधे तरीके से करने की बजाय उसे चमत्कारपूर्ण ढंग से कहने के प्रयास में कवि उलझ जाता है। वह भाषा में बार-बार परिवर्तन करता है. पर बात बनती नहीं है।	
12	**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित** i) लुट्टन पहलवान का कोई गुरु नहीं था, बल्कि वह ढोलक की आवाज़ के आधार पर ही अपनी शक्ति और दाँव-पेंच की परीक्षा लेता था। वह स्वयं भी ढोल की आवाज़ के आधार पर कुश्ती लड़ता था और अपने पुत्रों और शिष्यों को ढोलक की आवाज़ पर ही पूरा ध्यान देने के लिए प्रेरित करता था। वह दंगल में उतरकर सबसे पहले ढोलों को प्रणाम करता। इसी कारण उसने कहा होगा कि उसका गुरु कोई पहलवान नहीं यही ढोल है।	3 x2=6
	ii) 'काले मेघा पानी दे', डॉ० धर्मवीर भारती का संस्मरण है। विज्ञान का सत्य यह है कि बादलों को पानी देने से बादल नहीं बरसते लेकिन जीजी का सहज प्रेम यह कहता है कि जब हम बादलों को पानी देने का त्याग करें तब झमाझम बरसेंगे। यहाँ विज्ञान के सत्य पर सहज प्रेम की विजय है। वस्तुतः लेखक को यह विज्ञान-सम्मत नहीं लगता कि वर्षा न होने पर लोग मेंढ़क-मंडली पर पानी डालें, परन्तु उसकी जीजी की यही धारणा	

	है। अन्त में वह अपनी जीजी के प्रेम के समक्ष नतमस्तक हो जाता है और प्रचलित प्रथा का विरोध नहीं करता ।	
	iii) बाजार की चमक-दमक के चुंबकीय आकर्षण को बाजार का जादू कहा गया है, यह जादू आंखों की राह कार्य करता है। बाजार के इसी आकर्षण के कारण ग्राहक सजी-धजी चीजों को आवश्यकता न होने पर भी खरीदने को विवश हो जाते हैं।इस जादू के उतरने पर उसे महसूस होता है कि उसने अनावश्यक चीजें ले ली हैं|वह स्वयं को ठगा-सा महसूस करता है|	
13	**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित** i) भक्तिन के आ जाने के बाद महादेवी को देहात की संस्कृति, रहन-सहन, खान-पान, वेश-भूषा का ज्ञान हो गया था। इससे पहले वह केवल शहरी जीवन से ही जुड़ी हुई थीं। इसके साथ ही भक्तिन ऐसी परिस्थितियाँ भी पैदा कर देती थी कि वह देहाती परम्पराएँ तक निभाने को बाध्य हो जाती थीं। इस प्रकार भक्तिन के आ जाने से महादेवी अधिक देहाती हो गईं।	2x2 =4
	ii) जीजी ने इंदरसेना पर पानी फेंके जाने को सही ठहराया कि यह पानी की बर्बादी नहीं है बल्कि इंद्र भगवान को अर्घ्य देना है|मनुष्य जो चीज पाना चाहता है,पहले उसे देना पड़ता है|	
	iii) भगत जी पर बाज़ार का जादू असर नहीं करता|वे संयमी,लोभरहित व्यक्ति हैं|जितनी आवश्यकता है,बाज़ार से उतना ही खरीदते हैं|	